फिरकी

Firkee बच्चों की त्रैमासिक पत्रिका

अंक 2 • अक्टूबर-दिसंबर, 2011

रात

रात नाम की इक अम्मा के,
बच्चे बहुत ही प्यारे,
एक था उनमें चंदा,
और बहुत से तारे।

प्रमोद

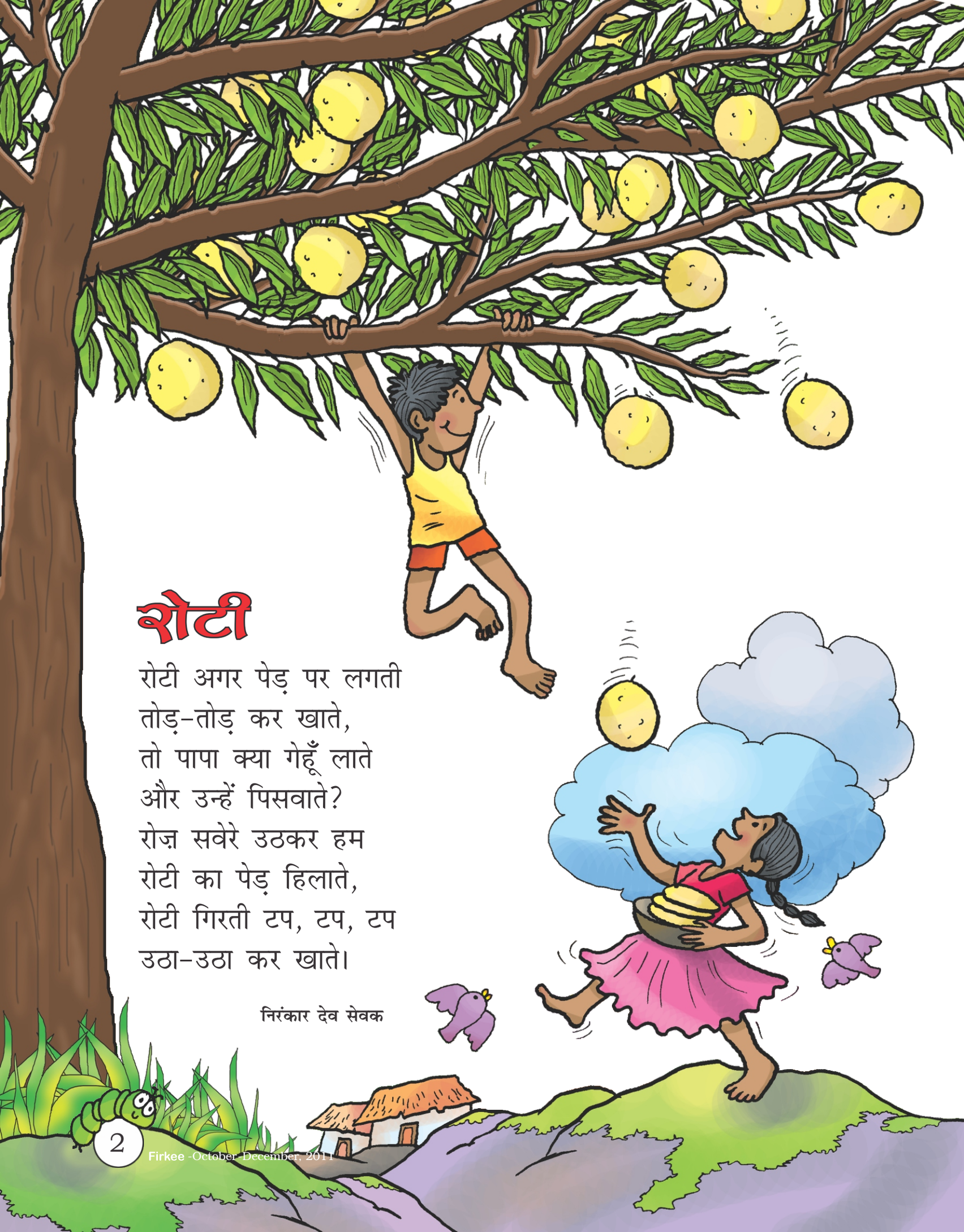

रोटी

रोटी अगर पेड़ पर लगती
तोड़-तोड़ कर खाते,
तो पापा क्या गेहूँ लाते
और उन्हें पिसवाते?
रोज़ सवेरे उठकर हम
रोटी का पेड़ हिलाते,
रोटी गिरती टप, टप, टप
उठा-उठा कर खाते।

निरंकार देव सेवक

फिरकी

Firkee बच्चों की

द्विभाषिक पत्रिका

अंक-2 अक्टूबर-दिसंबर, 2011

इस अंक में

रात	1
रोटी	2
टोपी वाला और बंदर	4
म्याऊँ	9
चींटा बोला	9
Nimki	10
मेरी कक्षा की खिड़की से दिखता है....	12
हाथी और खरगोश	14
हलुआ	16
Parrot in house	17
पता है मुझे कैसे चोट लगी?	20
Bird Hospital	21
कुछ करने के लिए	22
मैंने बढ़ाई कविता	23
देखो, मैंने क्या बनाया	24

नि:शुल्क वितरण हेतु/For free distribution

टोपी वाला और बंदर

एक टोपी वाला टोपियाँ बेच रहा था।
“टोपी ले लो टोपी, रंग-बिरंगी टोपी।।
लाल लो, हरी लो चाहे नीली-पीली।”

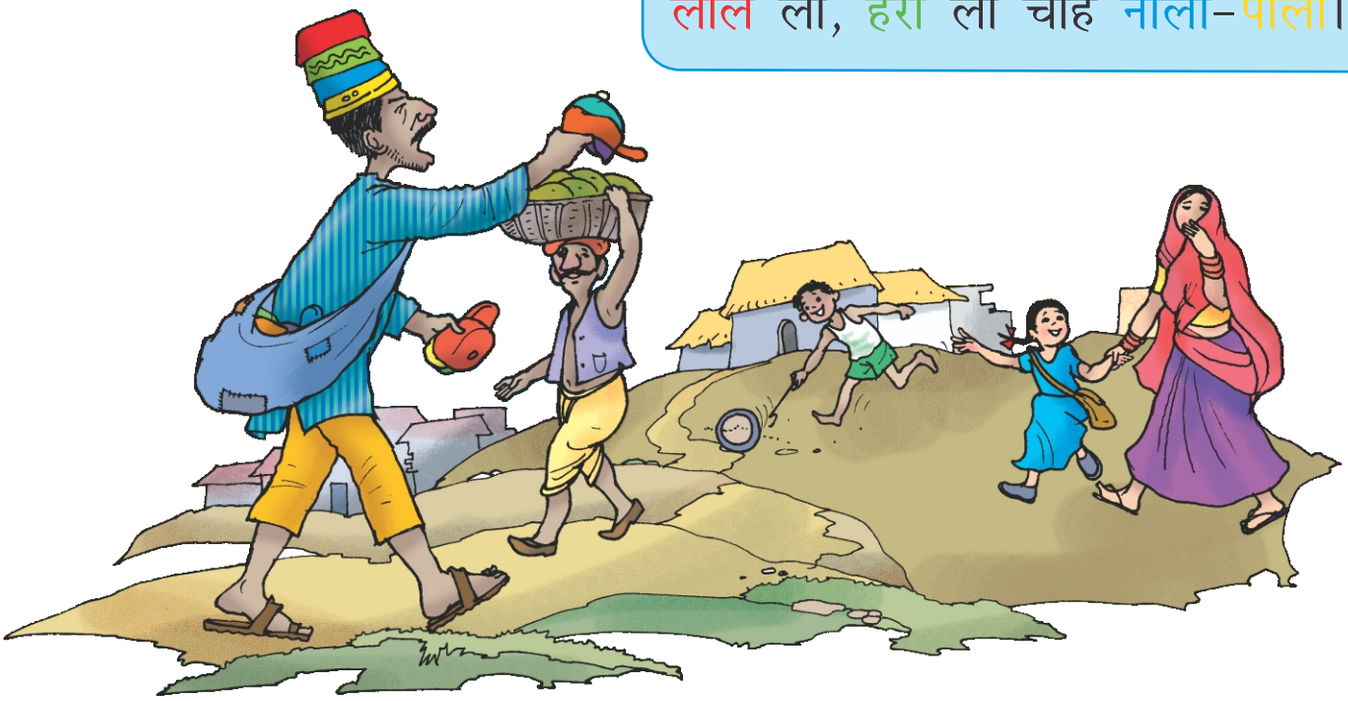

टोपी वाला टोपियाँ बेचते-बेचते
गाँव के बाहर आ गया।
गाँव के बाहर एक खूब
घना पेड़ था।

टोपी वाला टोपियाँ बेचते-बेचते थक चुका था।
वह पेड़ के नीचे टोपियाँ रखकर सो गया।

जब वह जागा तो वहाँ कोई टोपी
नहीं थी। वहाँ न लाल टोपी थी,
न हरी थी, न ही नीली-पीली!
टोपी वाले ने
इधर देखा, उधर देखा
नीचे देखा, ऊपर देखा
और ऊपर देखता ही रह गया...

पेड़ पर बंदर थे।
सभी टोपियाँ बंदरों ने पहन रखी थीं,
कुछ ने लाल पहनीं, कुछ ने हरी पहनीं
और कुछ ने नीली-पीली!

टोपी वाला सोचने लगा कि अपनी टोपियाँ बंदरों से कैसे ली जाएँ।

टोपी वाले ने कुछ सोचा और अपनी टोपी फेंक दी। बंदरों ने भी ऐसा ही किया।

बंदरों ने अपनी-अपनी टोपी फेंक दी। लाल फेंकी, हरी फेंकी और नीली-पीली! टोपी वाले ने झटपट सभी टोपियाँ उठा लीं। उसने सभी टोपियाँ पहन लीं। पहले पीली टोपी, फिर नीली, फिर लाल और फिर हरी!

टोपी वाला फिर से
टोपी बेचने लगा।
टोपी ले लो टोपी,
रंग-बिरंगी टोपी।
लाल लो, हरी लो
और ले लो नीली-पीली

म्याऊँ!

बिल्ली के बच्चे को भाया
मैं भी पढ़ने जाऊँ
मैडम बोली क ख ग
बच्चा बोला म्याऊँ!!

अश्विन शर्मा
कक्षा 6 (11 वर्ष)
सेंट ऐंसलम सीनियर सेकेण्डरी स्कूल
अजमेर

चींटा बोला

साइकिल पर कद्दू
कद्दू में चींटा
चींटा बोला
'कितना मीठा।'

सुष्मिता बनर्जी

Nimki

Nimki is a brown cat.
Nimki is thin.
Her tail is like a STRING.

Nimki is sad.
She is hungry PERHAPS!

Nimki goes to the dustbin.

मेरी कक्षा की खिड़की से दिखता है...

अमित कुमार
प्रा. वि. महुअन (फरह)
मथुरा, उत्तर प्रदेश

हाथी और खरगोश

हेमा रानी
कक्षा 1 प्रा. वि. नगला चमारन,
चौमुहाँ, मथुरा

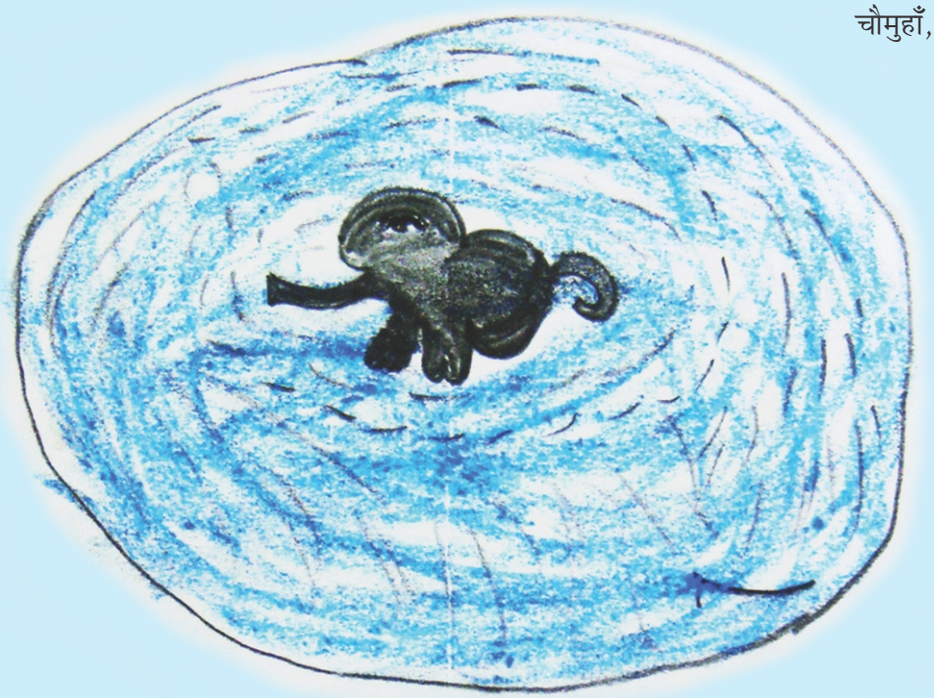

एक दिन एक हाथी
तालाब में नहा रहा था।

तभी वहाँ एक खरगोश आया। उसने हाथी से कहा,
''ऐ मोटे, बाहर निकल!'' और वह घर भाग गया।

हाथी को गुस्सा आया
उसने अपनी सूँड़ में
पानी भरा और जाकर
उसके ऊपर सारा
पानी डाल दिया।

हाथी को उस पर दया आ गई।
उसने खरगोश से दोस्ती कर ली
और उसे अपनी पीठ पर बैठा कर
सारे जंगल की सैर कराई।
खरगोश बहुत खुश हुआ।

कुछ हम लिखें
कुछ तुम लिखो

हलुआ

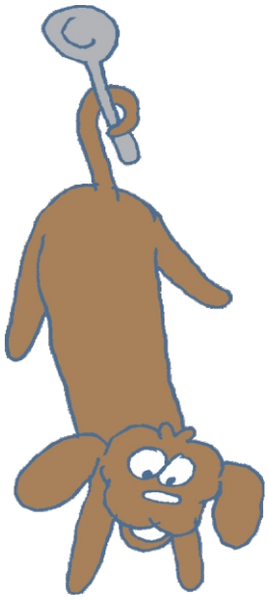

मीनू – ऐसा हलुआ पकाएँगे,
सभी – सारे मिलकर खाएँगे।
मीनू – कौन खाएगा चम्मच से?
कमाल – मैं खाऊँगा चम्मच से
मीनू – चम्मच चम्मच चम्मच
सभी – चम्मच .....
मीनू – ऐसा हलुआ पकाएँगे
सभी – सारे .....
मीनू – कौन खाएगी कटोरी में
टीना – मैं खाऊँगी ..... में
मीनू – .....
सभी – कटोरी कटोरी कटोरी
मीनू – .....
सभी – सारे मिलकर खाएँगे।
कमाल – मीठा मीठा हलुआ खाकर
सभी – ताली खूब ..... ।

विलास जानवे

Parrot in a house

Madhav and Kajal are playing.
They see a parrot in the courtyard.

The parrot is injured.

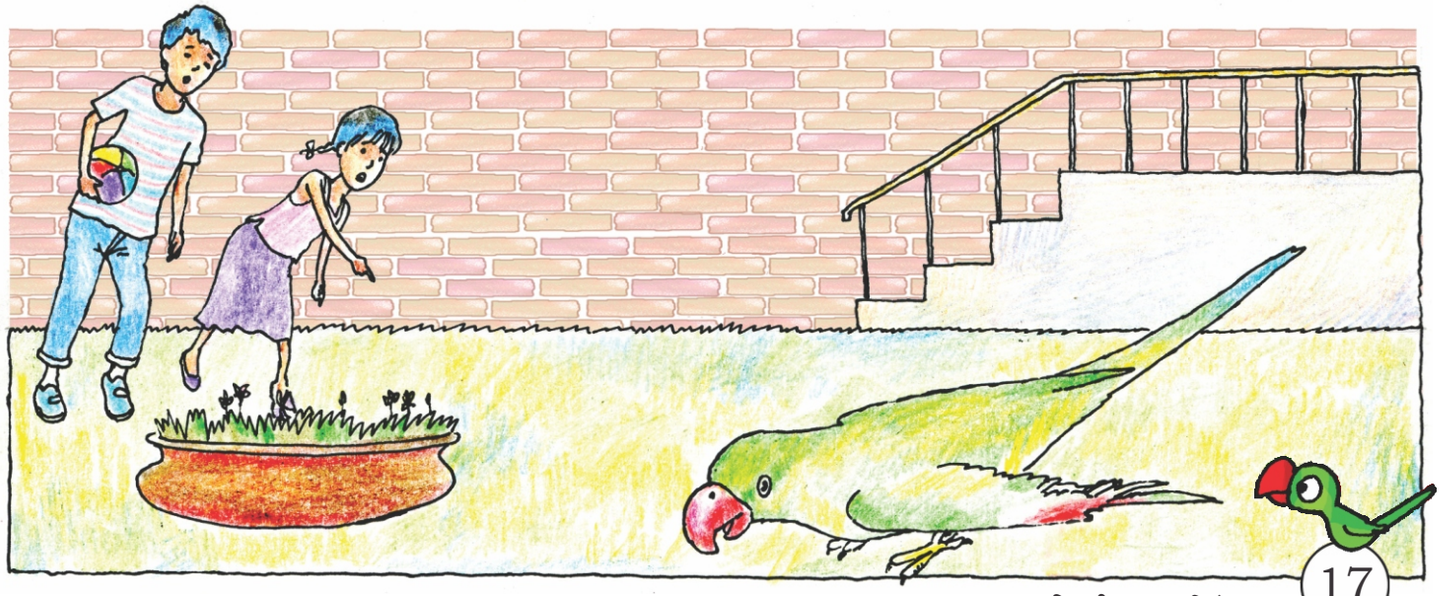

Kajal gives water and mango to the parrot.
The parrot does not drink the water.

The parrot does not eat the mango.
The parrot hides behind the flower-pot.

Madhav and Kajal hide behind the staircase. They see the parrot eating mango and drinking water.

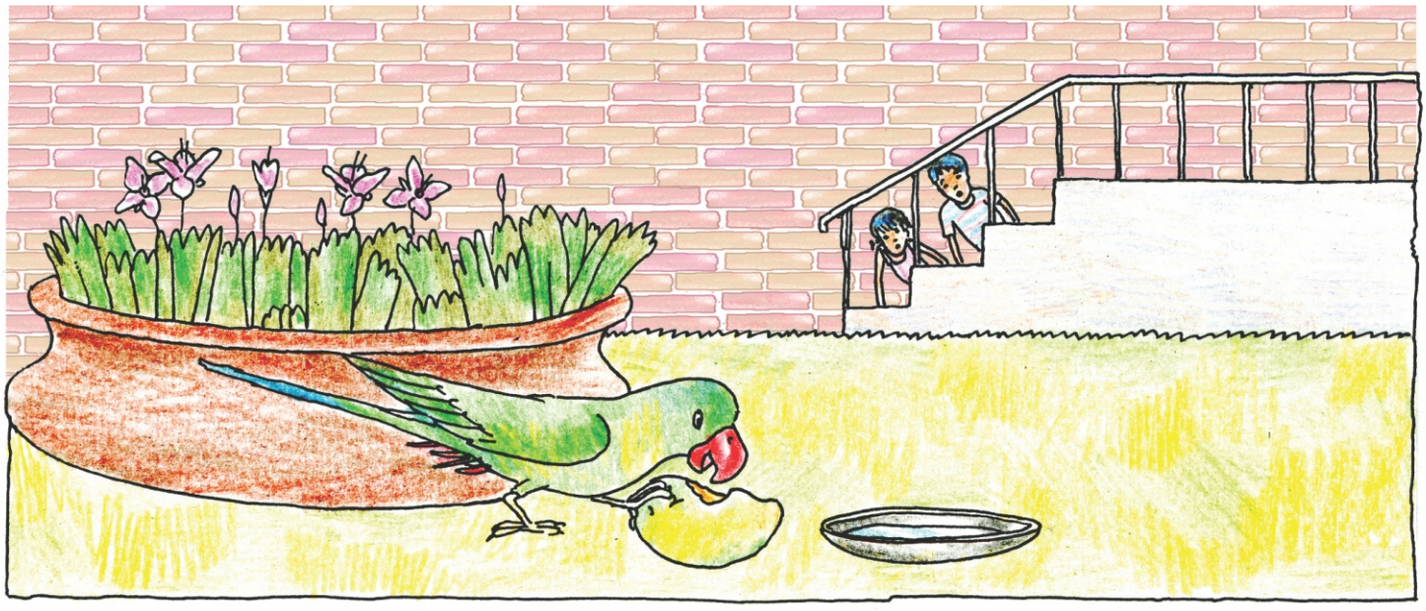

Madhav and Kajal are happy to see this. They bring more food for the parrot.

पता है मुझे
कैसे चोट लगी?

देखा! हमारे लिए
भी अस्पताल होता है।

फोटो – तान्या सूरी एवं विनीता अरोड़ा

कुछ करने के लिए

मटकू चूहे ने अम्मा की शॉल का कोना कुतर डाला।
क्या तुम शॉल का वह कोना खोज सकते हो?

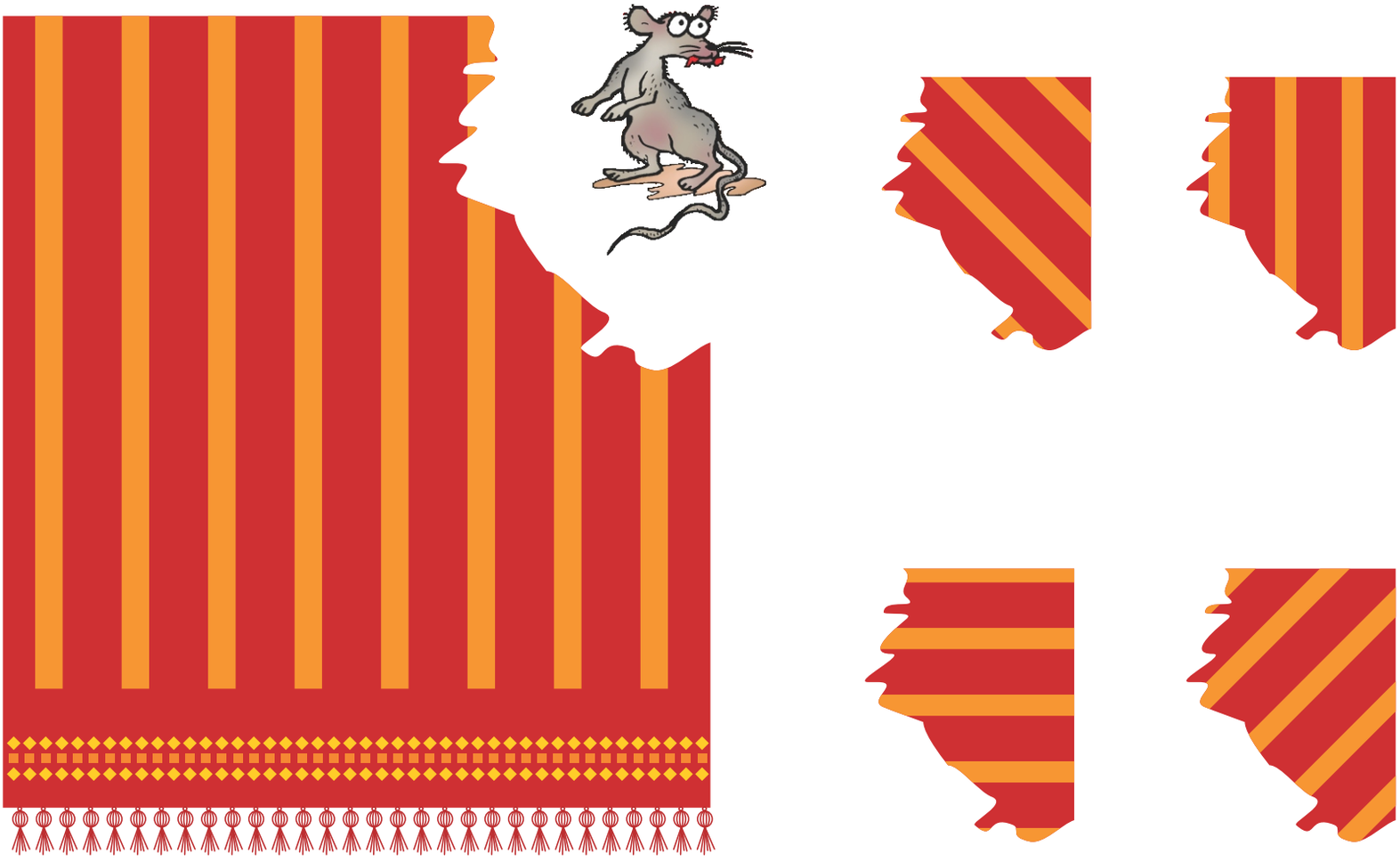

Find the odd one out

हमने बढ़ाई कविता

चींटी ओ चींटी
कहाँ गई थी?
अरे, यहीं थी पास में
चीनी की तलाश में...

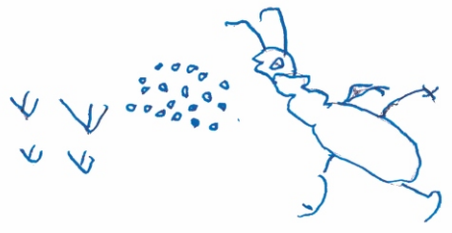

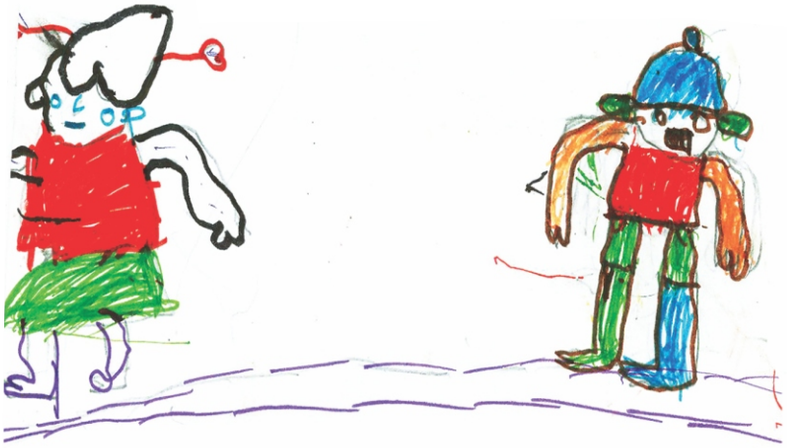

रानी ओ रानी कहाँ गई थी
अरे यहीं थी पास में
भैया की तलाश में

चिड़ियां ओ चिड़ियाँ कहाँ गई थी
अरे यहीं थी पास में दाना की तलाश में

बिल्ली ओ बिल्ली कहाँ गई थी
अरे यहीं पास में चूहे की
तलाश में

मनीष (कक्षा 2)
प्रा. वि. माँगरौली,
चौमुहाँ, मथुरा

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग : नीरजा शुक्ला
मुख्य संपादक : श्वेता उप्पल
मुख्य उत्पादन अधिकारी : शिव कुमार
मुख्य व्यापार अधिकारी : गौतम गांगुली
संपादक : नरेश यादव
उत्पादन अधिकारी : अरुण चितकारा

प्रकाशन सहयोग

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस दस्तावेज़ की आंशिक या समग्र रूप से समीक्षा, सारांश, पुनः उत्पादन अथवा अनुवाद किया जा सकता है लेकिन इसे न तो विक्रय के लिए और न ही किसी व्यावसायिक उद्देश्य के लिए उपयोग में लाया जाए।
- इस पत्रिका की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पत्रिका अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।

दीपक मीना, ग्रामीण शिक्षा केन्द्र, सवाई माधोपुर, राजस्थान

सहर, वसुंधरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

कड्डुलाल, ग्रामीण शिक्षा केन्द्र, सवाई माधोपुर, राजस्थान

देखो, मैंने क्या बनाया

सन्नी, प्रा. वि. लोहवन, मथुरा, उत्तर प्रदेश

सुझावों तथा प्रतिक्रियाओं के लिए संपर्क करें–
उषा शर्मा एवं मीनाक्षी खार (कार्यकारी संपादक)
प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम,
कक्ष संख्या 310, चाचा नेहरू भवन,
एन. सी. ई. आर. टी., श्री अरविंद मार्ग,
नई दिल्ली– 110016
दूरभाष– 01126560824
ईमेल– readingcell.ncert@gamil.com

संपादक मंडल

कार्यकारी संपादक – उषा शर्मा एवं मीनाक्षी खार
संपादन मंडल – उषा दत्ता, कीर्ति कपूर, ज्योत्स्ना तिवारी, मंजुला माथुर, राजाराम शर्मा, लता पांडे, श्वेता उप्पल एवं संध्या सिंह
परामर्शदाता मंडल – अतनु राय, केदारनाथ सिंह, कृष्ण कुमार, प्रभात कुमार झा, प्रयाग शुक्ल, बाल शौरि रेड्डी, मालविका राय, रमेश थानवी, रामजन्म शर्मा, श्रीप्रसाद एवं सुशील शुक्ल
सहयोग – तान्या सूरी, सोनिका कौशिक, प्रमोद तिवारी, नीलम चौधरी, मानसी सिन्हा, रचना, लंकेश्वर गाडगे, विनीता अरोड़ा, सच्चिदानंद, सारिका वशिष्ठ एवं सुनीता
चित्रांकन – जोएल गिल एवं अतनु राय **साज-सज्जा** –अखिलेश्वर आर्य

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली– 110016